



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7]  
No. 7]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 16, 1991/माघ 27, 1912  
NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 16, 1991/MAGHA 27, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़ कर) के  
अधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण सांविधिक निपन,  
(जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं)।

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general  
Character) issued by the Ministries of the Government of India (other  
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other  
than the Administration of Union Territories)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1991

मा का नि. 100.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और सहायक निदेशक और उप सहायक  
निदेशक (श्रेणी-2 राजपत्रित) (केन्द्रीय आपात महापता प्रशिक्षण संस्थान) के भर्ती नियम, 1962 को अहाँ तक उनका संबंध उप-सहायक निदेशक (अग्नि-  
शमन) के पद से है। उन दोनों के विषय अधिकृत करने हुए, जिन्हें ऐसे अधिकरण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, राष्ट्रीय सिविल  
सुरक्षा महाविद्यालय, नागपुर में उप सहायक निदेशक (अग्निशमन) के पद पर नियुक्त करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, शर्तों:—

1. भर्ती नाम और प्रारम्भ (1):—इस नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय सिविल सुरक्षा नागपुर, उप सहायक निदेशक (अग्निशमन) नियम, 1990  
है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रचल होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपाखंड अनुसूची के स्तर  
2 में स्तर 1 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, शर्तों पर प्राप्ति:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, शर्तों पर प्राप्ति और उक्त संबंधित अन्य बातें ये होंगी जो उक्त  
अनुसूची के स्तर 5 में स्तर 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

## 4. निरुद्धता :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है; या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवन रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है तो यह निम्नलिखित रूप में दर्ज किए गए कारणों से और संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की, बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षणों, आयु सीमा में छूट और उक्त रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य, विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या वर्गीकरण	वेतनमान	न्यूनतम पद अथवा अधिकतम पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 34 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं।
1	2	3	4	6	7
उप सहायक निदेशक (अग्निशमन)	1* (1990) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केंद्रीय सेवा समूह (ख) राजपक्षित अनुसूचित	2000-60- 2300-व. रो.- 75-3200 रु.]	नागू नहीं होता	35 वर्ष से अधिक नहीं। केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।

टिप्पणी :—आयु सीमा अद्यतन करने के लिए  
निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से  
आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की  
पहली अंतिम तारीख होगी (न कि वह  
अंतिम तारीख जो असम, मेघालय,  
मणिपुर प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागा-  
लैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर,  
राज्य के लद्दाख खंड हिमाचल प्रदेश के  
नामगढ़ और स्पीति जिले तथा चम्पा  
जिले के पांगी उपखंड, प्रंडमान और  
निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों  
के लिए विहित की गई है)।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परिवीक्षा की अवधि  
विहित आयु और शैक्षिक अर्हता प्रोन्नत यदि कोई हो।  
व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं।

8

9

10

आवश्यक :

लागू नहीं होता

दो वर्ष

- (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री या समतुल्य।
- (2) राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय, नागपुर से उप अधिकारी पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण या समतुल्य।
- (3) भाग से बचाने और अग्निशमन के क्षेत्र में 5 वर्ष का अनुभव।

टिप्पण 1 : — अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।

टिप्पण 2 : — अनुभव संबंधी अर्हता संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जमातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

वांछनीय : — (1) बचाव सक्रियाएं आयोजित करने और निदर्शन, अभ्यास और क्लिप संचालित करने का अनुभव।

(2) प्राथमिक उपचार, बेतार संचार, गुरुत्वबरी और पालन का ज्ञान।

भर्ती पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण भर्ती दशा में वे श्रेणियां जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

11

12

सीधी भर्ती द्वारा

लागू नहीं होता

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना।

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

(पुष्टि) के संबंध में विचार करने के लिए)  
समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति

सीधी भर्ती करते समय आयोग से परामर्श करना आवश्यक है

1. सिविल सुरक्षा महानिदेशक—अध्यक्ष
2. निदेशक, गृह मन्त्रालय—सदस्य
3. अग्निशमन सप्ताहकार—सदस्य
4. उप-महानिदेशक (सिविल सुरक्षा)—सदस्य

टिप्पण : — पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां, संघ लोकसेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 1st January, 1991

G.S.R. 180.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Assistant Directors and Deputy Assistant Directors (class-II-Gazetted) (Central Emergency Relief Training Institute) Recruitment Rules, 1962, in so far as they relate to the post of Deputy Assistant Director (Fire), except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Deputy Assistant Director (Fire) in the National Civil Defence College, Nagpur, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the National Civil Defence College, Nagpur, Deputy Assistant Director (Fire) Rules, 1990.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

## 4. Disqualifications.—No person;—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal Law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	Number of Post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post.	Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.
1	2	3	4	5	6	7
Deputy Assistant Director (Fire)	1* (1990) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'B' Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/-.	Not applicable	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Govt. servants upto 5 years in accordance with the instructions or Orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul & Spiti district and Pangi Sub Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).	No

Educational and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of : recruitment Whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.
8	9	10	11
<b>Essential</b> (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) Pass in Sub-Officers Course from the National Fire Services College, Nagpur, or equivalent. (iii) 5 year's experience in the field of rescue and fire-fighting.	Not applicable	2 years	By direct recruitment.
<b>Note 1 :</b> Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.			
<b>Note 2 :</b> The qualifications regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the UPSC is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.			
<b>Desirable :—</b> Experience of organising rescue operations and conducting demonstrations; experience and drills.			
(ii) Knowledge of first aid, wireless communications, scouting and driving.			

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
12	13	14
Not applicable	Group 'B' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation) 1. Director General Civil Defence—Chairman 2. Director Ministry of Home Affairs —Member 3. Fire Adviser —Member 4. Deputy Director General (Civil Defence) —Member	Consultation with the Commission necessary while making direct recruitment.
<b>Note :</b> The proceedings of the Departmental Promotion committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.		

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1991

नहीं किया जाएगा" शब्दों को विलोपित किया जाएगा।

[संख्या 35011/49/88-म.भा.सं.(II)(ख)]

पी. एन. नारायणन, निदेशक

सा.का.नि. 101 :—केन्द्रीय सरकार, अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबंधित राज्य सरकारों से परामर्श करने के पश्चात् अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु-तथा-सेवा-निवृत्त प्रसुविधाएं) नियमावली, 1958 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. इन नियमों का नाम अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु एवं सेवा-निवृत्ति प्रसुविधाएं) द्वितीय संशोधन नियमावली, 1991 है।

2. ये, सरकारी राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख में प्रवृत्त होंगे।

2. अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु एवं सेवा-निवृत्ति प्रसुविधाएं) नियमावली, 1958 के नियम 22-ख में—

(1) उप-नियम (3) के परन्तुक में

(क) धारा (ग) के लिए, निम्नलिखित धारा प्रतिस्थापित की जाएगी अर्थात्:—

कुटुम्ब पेंशन, ऐसे पुत्र अथवा पुत्री को संरक्षक के माध्यम से यह मानकर दी जाएगी कि वह पुत्र अथवा पुत्री नाबालिग थे, सिवाय उस पुत्र/पुत्री के जो शारीरिक रूप से विकलांग अथवा अशक्त हो तथा वे बालिग हो गए हों—

(ख) धारा (ऊ) में, "ऐसे पुत्र अथवा पुत्री के संरक्षक के रूप में कुटुम्ब पेंशन पाने वाला व्यक्ति शब्दों के पश्चात् तथा "हर तीसरे साल प्रस्तुत करेगा" शब्दों से पहले, निम्नलिखित शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

"अथवा संरक्षक के माध्यम से कुटुम्ब पेंशन न पाने वाला ऐसा पुत्र अथवा पुत्री"।

(2) टिप्पणियों में, उप-नियम (3) के नीचे,

(क) मद 1 की प्रविष्टियों को विलोपित किया जाएगा, तथा

(ख) मद 4 में,

"यह संरक्षक की इच्छा होगी" शब्दों के बाद तथा "एक प्रमाण पत्र भेजना" शब्दों से पहले निम्नलिखित शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे:—

"अथवा पुत्र अथवा पुत्री",

(3) उप-नियम 14 की धारा (iii) में "परन्तु सेवा-निवृत्त के पश्चात् जन्मे पुत्र अथवा पुत्री को शामिल

टिप्पणी: मुख्य नियम भारत के राजपत्र 1958 (असाधारण) भाग-II खंड 3, उप-खंड (i) में दिनांक 18-8-58 की अधिसूचना सा.का.नि. 728 द्वारा प्रकाशित किए गए। बाद में, इसे निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधित किया गया।

क्रम. सं.	सा.का.नि. सं.	दिनांक
1.	526	4-4-64
2.	527	3-4-65
3.	528	3-4-65
4.	529	3-4-65
5.	572	17-4-65
6.	215	12-2-65
7.	1915	17-2-66
8.	590	30-3-68
9.	687	6-7-74
10.	755	20-7-74
11.	946	7-9-74
12.	27(ई)	24-1-75
13.	724	14-6-75
14.	2264	23-8-75
15.	2023	8-11-75
16.	2030	20-12-73
17.	128	31-1-76
18.	196	14-2-76
19.	316	6-3-76
20.	504	10-4-76
21.	758	5-6-76
22.	757	5-6-76
23.	1182	14-8-76
24.	1765	25-12-76
25.	579	7-5-77
26.	830	2-7-77
27.	831	2-7-77
28.	1598	26-11-77
29.	1700	24-12-77
30.	252	18-2-78
31.	253	18-2-78
32.	460	8-4-78
33.	924	22-7-78
34.	922	22-7-78
35.	214	20-1-79
36.	161	3-2-79

1	2	3
37.	373	3-2-79
38.	1151	15-9-79
39.	1291	22-10-79
40.	512	10-5-80
41.	545	17-5-80
42.	546	17-5-80
43.	978	27-9-80
44.	248	7-3-81
45.	276	14-3-81
46.	705	1-8-81
47.	293	9-1-83
48.	557	30-7-83
49.	712	1-10-83
50.	33	21-1-84
51.	559	15-6-85
52.	813	31-8-85
53.	275	22-5-87
54.	343	30-4-88
55.	567	16-7-88
56.	91	25-2-89
57.	430	21-2-90

### MINISTRY OF PERSONNEL, P. G. & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 29th January, 1991

G.S.R. 101.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government after consultation with the Governments of the States concerned hereby makes the following rules further to amend the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958, namely :—

1. (1) These rules may be called the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Second Amendment Rules 1991.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
2. In rule 22-B of the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958 :—
  - (i) in sub-rule (3), in the proviso,
    - (a) for clause (c), the following clause shall be substituted, namely :—
 

“(C) family pension shall be paid to such son or daughter through the guardian as if he or she were a minor except in the case of physically crippled or disabled son/daughter who had attained the age of maturity;”
    - (b) in clause (e), after the words “the person receiving the family pension as guardian of such son or daughter” and before the words “shall produce every three years” the following words shall be inserted, namely :—
 

“or such son or daughter not receiving the family pension through guardian”.
  - (ii) below sub-rule (3), in the Notes,

(a) entries at item 1 shall be omitted; and

(b) in item 4, after the words :—

“it shall be the duty of the guardian”, and before the words “to furnish a certificate”, the following words shall be inserted, namely :—

“or son or daughter”,

(iii) In sub-rule 14, in clause (iii) the words “but shall not include son or daughter born after retirement” shall be deleted.

[No. 25011/49/88-AIS(II)-B]

P. N. NARAYANAN, Director

Note :—Principal rules were published vide Notification No. GSR 728 dated 18-08-58, Gazette of India 1958 (extra-ordinary)—Part- II Section 3, sub-section (i). They have subsequently been amended by the following notification :

S. No.	G.S.R. No.	Date
1	2	3
1.	526	04-04-64
2.	527	03-04-65
3.	528	03-04-65
4.	529	03-04-65
5.	572	17-04-65
6.	215	12-02-65
7.	1915	17-02-66
8.	590	30-03-68
9.	687	06-07-74
10.	755	20-07-74
11.	946	07-09-74
12.	27(F)	24-01-75
13.	724	14-06-75
14.	2264	23-08-75
15.	2635	08-11-75
16.	2030	20-12-75
17.	128	31-01-76
18.	196	14-02-76
19.	316	06-03-76
20.	504	10-04-76
21.	758	05-06-76
22.	757	05-06-76
23.	1182	14-08-76
24.	1765	25-12-76
25.	579	07-05-77
26.	830	02-07-77
27.	831	02-07-77
28.	1598	26-11-77
29.	1700	24-12-77
30.	252	18-02-78
31.	253	18-02-78
32.	460	08-04-78
33.	924	22-07-78
34.	922	22-07-78
35.	214	20-01-79
36.	161	03-02-79
37.	323	03-02-79
38.	1151	15-09-79
39.	1291	22-10-79
40.	512	10-05-80
41.	545	17-05-80
42.	546	17-05-80
43.	978	27-09-80

1	2	3	1	2	3
44.	248	07-03-81	51.	559	15-06-85
45.	276	14-03-81	52.	813	31-08-85
46.	705	01-08-81	53.	275	22-05-87
47.	293	09-01-83	54.	343	30-04-88
48.	557	30-07-83	55.	567	16-07-88
49.	712	01-10-83	56.	91	25-02-89
50.	33	21-01-84	57.	420	21-07-90

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1991

मा. का. नि. 102 राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 109 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और कर्मचारी चयन आयोग (उपरोक्त कार्यन्वयक) भर्ती-नियम, 1983 को अक्षिप्त करते हुए कर्मचारी चयन आयोग के कार्यालय में उपनिर्देशक (हवीरुद्दीन) छाटा संवत्पत्र (वे पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्राग्गम्य (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कर्मचारी चयन आयोग उपनिर्देशक (हवीरुद्दीन) द्वारा संवत्पत्र (भर्ती नियम, 1991) है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, भर्तीकरण और वेतनमान :- उक्त पद की संख्या उसका भर्तीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो इन नियमों में उल्लेख अनुसूची के स्तर 2 से स्तर 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं आदि :- उक्त पद पर भर्ती की पद्धति आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तर 5 से स्तर 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता :- वह व्यक्ति-

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा। :

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के साथ पक्षकार को लागू मर्याद विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

5. शिथिल करने की शक्ति :- जहां केंद्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या सर्वाधिकार है, जहां वह उसके लिए जो कारण है उन्हें देखकर करके तथा मंत्र लोक सेवा आयोग ने परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकती।

6. व्याप्ति :- इन नियमों की कोई बात, ऐसे अंतरांगों, आयु-सीमा में छूट और अन्य विषयों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केंद्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अनुपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।



## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद्धति अथवा अवयव पद्धति	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 30 के अधीन अनुशेष है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
उप निदेशक (इलेक्ट्रॉनिक डाटा संसाधन)	2* (1990) *कार्यभार के आधार पर परि- वर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपत्रित	3000-100- 3500-125- 4500 रु.	लागू नहीं होता	40 वर्ष से अधिक नहीं केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है। टिप्पण: आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निम्नलिखित तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी) न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागा- लैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू- कश्मीर, राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले के पामी उपखंड अंकान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए चिह्नित की गई है)	हां

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए बहित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की वशा में लागू होंगी या नहीं

8

9

10

## आवश्यक

(i) किसी भाषा का प्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकीय गणित/संख्या विज्ञान/भौतिक विज्ञान या अर्थशास्त्र/बाणिज्य (सांख्यिकी सहित) में मास्टर डिग्री अथवा इंजीनियरी/कम्प्यूटर विज्ञान में डिग्री या समतुल्य।

(ii) इलेक्ट्रॉनिक डाटा संसाधन का सात वर्ष का अनुभव जिसमें से कम से कम तीन वर्ष का अनुभव इलेक्ट्रॉनिक कम्प्यूटर में होना चाहिए।

टिप्पण :- 1. अर्हताएं अन्यथा सुव्यवस्थित अभ्यर्थियों की वशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।

टिप्पण : 2. अनुभव संबंधी अर्हता संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की वशा में तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

बांछनीय : कम्प्यूटर कार्यक्रमण संज्ञा अभिकल्प विश्लेषण में औपचारिक प्रशिक्षण।

## आयु: नहीं

शैक्षिक अर्हताएं: हां

प्रोन्नत व्यक्तियों के लिए दो वर्ष और सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए एक वर्ष।

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रति-भूतता ।

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिससे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा ।

11

12

प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा है) द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा है) ।

1. केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/विश्वविद्यालयों/मान्यताप्राप्त अनुसंधान संस्थाओं/पब्लिक सेक्टर उपक्रमों कानूनी, अर्द्ध सरकारी या स्वशासी संगठनों के अधीन ऐसे अधिकारी :—

- (1) जो नियमित आधार पर सदन पद धारण किए हुए हैं, या
- (2) जिन्होंने 2200-4000 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है । या
- (3) जिन्होंने 2000-3500 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर आठ वर्ष नियमित सेवा की है, और

ख. जिनके पास सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए स्तंभ 8 के अधीन विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव हैं ।

2. ऐसे विभागीय अधीक्षक (होल्डर) के संबंध में भी विचार किया जाएगा जिसने उस श्रेणी में सात वर्ष नियमित सेवा की है और यदि उसका उस पद पर नियुक्ति के लिए चयन कर लिया जाता है तो वह पद प्रोन्नति द्वारा भरा गया समझा जाएगा ।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काबज-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि भी है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी) ।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा ।

13

14

(पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति : —

प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है ।

1. अध्यक्ष/सदस्य, कर्मचारी चयन आयोग—अध्यक्ष
2. संयुक्त सचिव (प्रशासन) कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग—सदस्य
3. निवेशक (ई.) कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग—सदस्य

टिप्पण :—सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी । किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी ।

New Delhi, the 5th February, 1991

G.S.R. 102.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution and in supersession of the Staff Selection Commission (Senior Programmer) Recruitment Rules, 1983, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Deputy Director (Electronic Data Processing) in the Office of the Staff Selection Commission, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Staff Selection Commission (Deputy Director (Electronic Data Processing) Recruitment Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in the columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal Law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Savings.—Nothing in these rules shall affect reervations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection post.	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Deputy Director (EDP)	2* (1991)	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 3000-100-3500-125-4500.	Not applicable	Not exceeding 40 years. (Relaxable for Govt. servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	Yes.
*Subject to variation dependent on workload.				Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul & Spiti Districts and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands of Lakshadweep).		

Educational and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.
(8)	(9)	(10)
<p>Essential :</p> <p>(i) Master's degree in Statistical Mathematics/Operations Research, Physics or Economics/Commerce (with Statistics) or Degree in Engineering/Computer Science of a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) 7 years experience of electronic data processing work out of which at least 3 years' experience should be in the electronic computer.</p> <p>Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Note 2 : The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection the U.P.S.C. is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p> <p>Desirable :</p> <p>Formal training in computer programming/system design/analysis.</p>	<p>Age : No</p> <p>EQs : Yes</p>	<p>2 years for promotees and one year for direct recruits.</p>

Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made.
(11)	(12)
By promotion/transfer on deputation (including short term contract) falling by direct recruitment.	<p>Promotion/Transfer on deputation (including short term contract)</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>Officers under the Central Government/ State Governments/ Universities/Recognised Research Institution/Public Sector Undertakings/Statutory, Semi-Government or Autonomous Organisations :—             <ol style="list-style-type: none"> <li>(i) holding analogous posts on regular basis; or</li> <li>(ii) with five years' regular service in posts in the scale of Rs. 2200-4000 or equivalent; or</li> <li>(iii) with eight years' regular service in posts in the scale of Rs. 2000-3500 or equivalent; and</li> </ol> </li> <li>(b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct (recruits under Col 8.</li> </ol> <ol style="list-style-type: none"> <li>The departmental Superintendent (Hollerith) with seven years' regular service in the grade will also be considered and in case he is selected for appointment to the post, the same shall be deemed to have been filled by promotion.</li> </ol> <p>(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years).</p>

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition?	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
(13)	(14)
<p>Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation)</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>Chairman/Member Staff Selection Commission ---Chairman</li> <li>Joint Secretary (Administration) [Department of Personnel and Training] ---Member</li> <li>Director(E) Department of Personnel and Training ---Member</li> </ol> <p>(Note : The proceedings of [the [Departmental]] Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held).</p>	<p>Consultation with the Union Public Service Commission necessary on each occasion.</p>

[No. 39021/6/89-Estt. (B)]  
M. V. KESAVAN, Director

**उद्योग मंत्रालय**  
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1991

**MINISTRY OF INDUSTRY**

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 30th January, 1991

सा.का. नि. 103.—भारत सरकार कम्पनी कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 443 (अ) के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (i) के पञ्चम भाग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 3216 जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तरण करते हुए, कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निर्देश देता है कि सैसर्स डोडवेल इण्टरनेशनल बाईंग ऑफीसेज लि. (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के सम्बन्ध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरणों के अधीन रहते हुये लागू होगी, अर्थात्:—

यदि कम्पनी 31-12-90 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा:—

- भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (i) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (i) के खंड (घ) के अन्तर्गत प्रादेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासनाधीन लेखापाल द्वारा किया गया है।
- उपयुक्त मद (i) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निदिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- उपयुक्त मद (i) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आणव्य का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-12-90 की समाप्ति वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/43/90 सी एल III]  
कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से,  
के.एम. गुप्ता प्रवर सचिव

G.S.R. 103.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), read with the Government of India, Department of Company Affairs. Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in case of M/s. Dodwell International Buying Offices Ltd. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 if in respect of the financial year ended on 31-12-90 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate:—

- A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above and
- A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-12-90.

[No. 50/43/90-CL.III]

By Order of the Company Law Board,

## ऊर्जा मंत्रालय

(विद्युत विभाग)

## केन्द्रीय विद्युत बोर्ड

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1991

सा.का. नि. 104.—भारतीय विद्युत नियम, 1956 का धीर संशोधन करने के लिए कतिपय नियम का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार भारतीय विद्युत अधिनियम, 1910 (1910 का 9) की धारा 37 द्वारा प्रवक्तृशक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 38 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन की अवधि की समाप्ति पर उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

किन्हीं ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो उपर्युक्त 90 दिन की अवधि की समाप्ति पर या उससे पहले उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय विद्युत बोर्ड विचार करेगा।

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो, सचिव, केन्द्रीय विद्युत बोर्ड, एस-907 सेवा भवन, द्वार. के. पुरम, नई दिल्ली-110066 को भेजे जा सकते हैं।

## (प्रारूप नियम)

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय विद्युत (संशोधन) नियम, 1991 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय विद्युत नियम, 1956 में,—

(1) नियम 3 में,—

(क) उपनियम (4) में, “निरीक्षक” शब्द के स्थान पर “निरीक्षक या निरीक्षक की सहायता करने के लिए नियुक्त विहित रैंक और वर्ग का कोई अधिकारी” शब्द रखे जाएंगे।

(ख) उपनियम (5) में “कोई निरीक्षक” शब्दों के स्थान पर “कोई निरीक्षक या निरीक्षक की सहायता करने के लिए नियुक्त विहित रैंक या वर्ग का कोई अधिकारी” शब्द रखे जाएंगे।

(2) नियम 4 के, उपनियम (2) में “नियुक्त कुछ अधिकारियों को” शब्दों के पश्चात् “नियम 3 के उपनियम (4) और उपनियम (6) तथा “नियम 49 के उपनियम (1)” शब्दों और अंकों के पश्चात् “नियम 51 के उपनियम (3), नियम 59 के उपनियम (3)” शब्द और अंक अन्तः स्थापित किए जाएंगे।

(3) नियम 33 में,—

(क) विद्यमान परन्तु से पहले निम्नलिखित परन्तु अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“परन्तु यह कि प्रवायकर्ता की ऊपर वर्णित भूसंपर्कन व्यवस्था के प्रतिरिक्त, कम बोल्टता के उपभोक्ता या उपभोक्ताओं का समूह, उसी परिसर में अपनी एक स्वतंत्र इलेक्ट्रिक संहिता भूसंपर्कन प्रणाली की व्यवस्था करेगा और उसे बनाए रखेगा;”

(ख) विद्यमान प्रथम परन्तु में “परन्तु यह कि” शब्दों के स्थान पर “परन्तु यह और कि” शब्द रखे जाएंगे।

(4) नियम 43 में उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“(3) 5 मेगावाट और ऊपर की क्षमता वाले प्रत्येक जनन केन्द्र में और 5 मेगा बोल्ट एम्पियर की रूपान्तरण क्षमता वाले परिवर्तित उपकेन्द्र में अग्नि या धुएँ की वशा में उपयोग के लिए सहजदृश्य स्थान पर दो या अधिक गैस मास्को की व्यवस्था की जाएगी और उनको पड़ुच स्थानों पर प्रतिष्ठापित किया जाएगा और अनुरक्षित रखा जाएगा।

परन्तु यह कि जहाँ एक विद्युत केन्द्र में 5 मेगावाट और ऊपर की क्षमता वाले एक से अधिक जनित्र प्रतिष्ठापित किए जाते हैं, वहाँ प्रत्येक जनित्र में, पड़ुच सहजदृश्य व्यवस्था में कम से कम दो पृथक गैस मास्को की व्यवस्था की जाएगी।

परन्तु यह और कि 5 मेगावाट और 5 मेगा बोल्ट एम्पियर से कम की क्षमता वाले जनित्र; प्रत्येक जनन केन्द्र परिवर्तित उपकेन्द्र के धामी द्वारा पर्यप्त संख्या में गैस मास्कों की व्यवस्था की जाएगी, यदि निरीक्षक ऐसी अपेक्षा करे”।

(5) नियम 47 के पश्चात् निम्नलिखित नियम 47क अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“47क जनन एककों का लगाया जाता—

(1) जहाँ कोई उपभोक्ता या अधिभोगी जनन संयंत्र लगाता है, वहाँ वह संयंत्र लगाने के अपने आशय की प्रदायकर्ता और निरीक्षक को लिखित में 90 दिन की सूचना देगा। संस्थापन का निरीक्षक द्वारा निरीक्षण और परीक्षण किया जाएगा तथा उसे उसके लिखित अनुमोदन के बिना नहीं लगाया जाएगा।

परन्तु यह कि 5 किलो वाट तक की क्षमता वाले जिसमें 5 किलो वाट की क्षमता भी सम्मिलित है, जनन संयंत्र के लिए अनुमोदन की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

परन्तु यह और कि उपभोक्ता या अधिभोगी 5 किलोवाट से अधिक किन्तु 10 किलोवाट तक की क्षमता वाले जिसमें 10 किलोवाट की क्षमता भी सम्मिलित है, अपने जनन संयंत्र को, सूचना की 30 दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् लगाएगा, यदि निरीक्षक द्वारा उपर्युक्त 30 दिन की अवधि के भीतर निरीक्षण नहीं किया जाता है।

परन्तु यह और कि कोई भी उपभोक्ता या अधिभोगी 10 किलोवाट से ऊपर की क्षमता वाला कोई भी अपना जनन संयंत्र निरीक्षक के लिखित पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं लगाएगा।

(2) निरीक्षक लिखित में अपना अनुमोदन देने से पूर्व यह सुनिश्चित करेगा कि असावधानीपूर्वक की गई विभिन्न समानान्तर आपूर्ति को स्वियों या अंतर लाकिंग युक्तियों पर समुचित परिवर्तन प्रतिष्ठापित करके निवारित कर दिया गया है।

(6) नियम 50 में उपनियम (1) में खंड (ब) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

(घ) निम्नलिखित रेटिंग की सभी सोटरी और अन्य उपकरणों में

(i) 3 किलो वाट और 10 किलोवाट तक के उपकरणों में अन्तर्निहित संघारित्र/युनिटों लगाई जाएंगी;

(ii) 10 किलो वाट से ऊपर के उपस्करों में समुचित माघरित्र/युक्तियां लगाई जाएंगी :

जिससे रेटिंग कि उत्पादन पर विद्युत कारक 0.90 से कम न हों सके ;

परन्तु यह कि 3 किलो वाट और ऊपर की रेटिंग के प्रत्येक मोटर और अन्य उपस्कर में जो इस उपनियम के प्रारंभ से पूर्ण प्रतिष्ठापित किए जाते हैं और प्रारंभ किए जाते हैं, संघारित्र और युक्तियां लगाई जाएंगी जिससे कि रेटिंग उत्पादन पर विद्युत कारक 0.90 से कम न हो सके ।

परन्तु यह और कि इस उपनियम के उपबंध ऐसी तारीख से प्रवृत्त होंगे जो समुचित सरकार राजपत्र में अधिसूचित करे । समुचित सरकार भारतीय विद्युत (संशोधन) नियम, 1991 के प्रारंभ से 3 वर्ष की अवधि के भीतर इस उपनियम को प्रवृत्त करने के लिए आवश्यक कबज उठाएगी ।

(7) नियम 51 में, उपनियम (3) में "निरीक्षक" शब्द के स्थान पर "निरीक्षक या निरीक्षक की सहायता के लिए नियुक्ति विहित रैंक और वर्ग का कोई अधिकारी" शब्द रखे जाएंगे ।

(8) नियम 59 के उपनियम (3) में "सूचना निरीक्षक को भेजेगा" शब्दों के स्थान पर "सूचना निरीक्षक या निरीक्षक की सहायता के लिए नियुक्ति विहित रैंक और वर्ग के किसी अधिकारी को भेजेगा" शब्द रखे जाएंगे, तथा "जिसकी निरीक्षक अपने को" शब्दों के स्थान पर "जिसकी निरीक्षक या निरीक्षक की सहायता के लिए नियुक्ति विहित रैंक और वर्ग का कोई अधिकारी अपने को" शब्द रखे जाएंगे ।

(9) अध्याय 8 में शीर्षक में "शिरोपरि लाइने" शब्दों के स्थान पर "शिरोपरि लाइने भूमिगत केबल और जनन केन्द्र" शब्द रखे जाएंगे ।

(10) नियम 87 में उपनियम (3) में विद्यमान सारणी के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रखी जाएगी :

"न्यूनतम मुक्तान्तर मीटरों में लाइनों में के बीच जब वे एक दूसरे को पार करती हो ।

अभिहित प्रणाली	11-66	110-132	220	400	800
वोल्टता	के.वी.	के.वी.	के.वी.	के.वी.	के.वी.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. निम्न और मध्यम	2.44	3.05	4.58	5.49	7.94
2. 11—66 के.वी.	2.44	3.05	4.58	5.49	7.94
3. 110—132 के.वी.	3.05	3.05	4.58	5.49	7.94
4. 220 के.वी.	4.58	4.58	4.58	5.49	7.94
5. 400 के.वी.	5.49	5.49	5.49	5.49	7.94
6. 800 के.वी.	7.94	7.94	7.94	7.94	7.94

(11) नियम 92 के उपनियम (1) में "शिरोपरि लाइन" शब्दों के पश्चात् "उप-केन्द्र या जनन केन्द्र" शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे ।

(12) नियम 123 में उपनियम (3) में "स्विच" और "पूर्णत" शब्दों के स्थान पर क्रमशः "परिपथ खंडित" और "स्वत" रखे जाएंगे ।

(13) नियम 126 में,—

(क) उपनियम (1) में खण्ड (ख) में, उपनियम (2) के खंड (क) में और उपनियम (3) के खंड (क) में "संकेतक या संचार" शब्दों के स्थान पर "संकेतक, संचार और दूरस्थ नियंत्रण" शब्द रखे जाएंगे ।

(ख) उपनियम (5) में, खण्ड (1) में,—

(i) "खतरे वाले" शब्दों के स्थान पर "परिसंकटमय" शब्द रखा जायेगा ;

(ii) \* \* \* \* \*

(iii) विद्यमान उपखण्ड के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

"परन्तु यह कि ऐसा वियोजन नेत्र रूप से सुरक्षित पर्यावरण मानितर वैज्ञानिक और जारों को लागू नहीं होगा ;"

(ग) उपनियम (6) में,—

(i) "खतरे वाले क्षेत्र" और "खतरनाक वायु" शब्दों के स्थान पर जहां जहां वे पाते हैं "परिसंकटमय क्षेत्र" और "परिसंकटमय वायु" शब्द रखे जाएंगे ।

(ii) विद्यमान खण्ड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

(इ) सभी साधित उपस्कर और मशीनरी जिनका जोन 0 जोन 1 और जोन 2 परिसंकटमय क्षेत्रों में उपयोग किया जाता है या उपयोग किया जा सकेगा, ऐसी किस्म, मानक और मेक के होंगे जो निरीक्षक साधारण या विशेष आदेश द्वारा लिखित में अनुमोदन करे ।

स्पष्टीकरण :

(i) "जोन 0 परिसंकटमय क्षेत्र" से ऐसा कोई क्षेत्र अभिप्रेत है जिसमें परिसंकटमय वायु निरन्तर विद्यमान रहती है "

\*\* हिन्दी पाठ में संशोधन की आवश्यकता नहीं है

(ii) "जोन 1 परिसंकटमय क्षेत्र" से ऐसा क्षेत्र अभिप्रेत है जिसमें साधारण प्रचालन दशाधी में परिसंकटमय वायु के होने की सम्भावना है" ।

(iii) "जोन 2 परिसंकटमय क्षेत्र" से ऐसा क्षेत्र अभिप्रेत है जिसमें केवल असाधारण प्रचालन दशाधी में परिसंकटमय वायु होने की संभावना है" ।

(14) नियम 134 में "118 का परन्तुक (क), (ग) और (इ)" और "123 (9)" शब्दों, अंकों और कोष्ठकों के स्थान पर "118" और "123(9) और 130" शब्द, अंक और कोष्ठक क्रमशः रखे जाएंगे ।

(15) नियम 29 के उपनियम (2) और उपनियम (3), नियम 48 के उपनियम (1) (i) (ख) और (1) (ii), नियम 65 के उपनियम (2) उपनियम (3), उपनियम (5) और उपनियम (7) तथा नियम 122 के खण्ड (ख) (ii) में "भारतीय मानक संस्थान" शब्दों के स्थान पर "भारतीय मानक भूरो" शब्द रखे जायेंगे ।

- (16) उपाबन्ध VIII के क्रम संख्या 5 में मद संख्या (7) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जायेगी :—

“(7) तार लगाने का कार्य निम्नलिखित द्वारा निष्पादित किया गया/ किया जायेगा :  
 ठेकेदार का नाम :  
 पता :  
 अनुज्ञप्ति सं. :  
 वर्ग :  
 विधिमान्यता :

- (17) उपाबन्ध X के भाग क में “इंजीनियर का नाम” शब्दों के नीचे “विद्युत पर्यवेक्षक का नाम” शब्द अन्तःस्थापित किये जायेगे।

- (18) उपाबन्ध XI के भाग क में “इंजीनियर का नाम” शब्दों के नीचे “विद्युत पर्यवेक्षक का नाम” शब्द अन्तःस्थापित किये जायेगे।

- (19) उपाबन्ध XII में, क्रम संख्या (2) में,—

(क) मद (घ) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जायेगी ;  
 अर्थात्:—

“(घ) नियम 126 (5) (i) और (ii) द्वारा यथा अपेक्षित प्रदाय का वियोजन और पुनः संयोजन

(ख) “इलेक्ट्रीशियन प्रबन्धक” शब्दों के स्थान पर “विद्युत पर्यवेक्षक इंजीनियर : प्रबन्धक : शब्द रखे जायेगे।

[सं. के. वि. बो. पी/पी 29/91]

र.कु. शर्मा, सचिव (केन्द्रीय विद्युत बोर्ड)

## MINISTRY OF ENERGY

(Department of Power)

### CENTRAL ELECTRICITY BOARD

New Delhi, the 4th February, 1991

G.S.R. 104.—The following draft of certain rules further to amend the Indian Electricity Rules, 1956 which the Central Electricity Board proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 37 of the Indian Electricity Act, 1910 (9 of 1910), is hereby published as required by sub section (1) of section 38 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration on or after the expiry of ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the aforesaid period of ninety days shall be considered by the Central Electricity Board.

Objections or suggestions, if any, may be sent to the Secretary, Central Electricity Board, S-907, Sewa Bhawan, R. K. Puram, New Delhi-110066.

### (DRAFT RULES)

1. (1) These rules may be called the Indian Electricity (Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Electricity Rules, 1956,—

(1) In rule 3,—

(a) in sub-rule (4), after the words “an Inspector”, the words “or any officer of a specified rank and class appointed to assist the Inspector” shall be inserted.

(b) in sub-rule (6) after the words “the Inspector”, the words “or any officer of a specified rank and class appointed to assist the Inspector” shall be inserted.

(2) In rule 4A, in sub-rule (2) after the words “for the purposes of”, the words and figures “sub-rule (4) and sub-rule (6) of rule 3” and after the words and figures “sub-rule (1) of rule 49”, the words and figures “sub-rule (3) of rule 51, sub-rule (3) of rule 59” shall be inserted.

(3) In rule 33,—

(a) before the existing provisos, the following proviso shall be inserted :

“Provided that in addition to the aforementioned earthing arrangement of the supplier, a low voltage consumer or group of consumers in the same premises shall provide his or their own earthing system with an independent electrode and maintain the same :” ;

(b) in the existing first proviso the words “Provided that” shall be substituted by the words “Provided further that”.

(4) In rule 43, after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(3) Two or more gas masks shall be provided conspicuously and installed and maintained at accessible places in every generating station with capacity of 5 MW and above and enclosed sub-station with transformation capacity of 5 MVA and above for use in the event of fire or smoke :

Provided that where more than one generator with capacity of 5 MW and above is installed in a power station, each generator would be provided with at least two separate gas masks in accessible and conspicuous position :

Provided further that adequate number of gas masks would be provided by the owner of every generating station and enclosed sub-station with capacity less than 5 MW and 5 MVA respectively, if so desired by the Inspector.”

(5) After rule 47, the following rule 47A shall be inserted, namely :—

“47A. Installation of Generating Units :—

(1) Where any consumer or occupier installs generating plant, he shall give in writing thirty days’ notice to the supplier as well as to the Inspector of his intention to commission the plant. The installation shall be inspected and tested by the Inspector and shall not be commissioned without his prior approval in writing :

Provided that no approval shall be required for generating plant of capacity upto and including 5 KW :

Provided further that the consumer or occupier shall commission his generating plant of capacity more than 5 KW but upto and including 10 KW after the expiry of 30 days’ period of notice if inspection is not carried out by the Inspector within the aforesaid period of thirty days :

Provided further that no consumer or occupier shall commission his generating plant above 10 KW of capacity without prior approval in writing of the Inspector.



- (2) Before giving his approval in writing the Inspector shall ensure that inadvertant paralleling of different supplies is prevented by installing appropriate change over switches or inter-locking devices."
- (6) In rule 50, in sub-rule (1) after clause (f) the following clause shall be inserted, namely :—

"(g) All motors and other apparatus of rating :

- (i) 3 KW and above upto 10 KW shall be fitted with inbuilt capacitors/devices;
- (ii) above 10 KW shall be provided with suitable capacitors/devices :
- so as not to have a power factor less than 0.90 at the rated output :

Provided that every motor and other apparatus of rating 3 KW and above installed and commissioned before the commencement of this sub-rule shall be fitted with capacitors/devices so as not to have a power factor less than 0.90 at the rated output :

Provided further that the provisions of this sub-rule shall come in force on such date as may be notified by the appropriate Government in the Official Gazette. The appropriate Government shall take necessary steps to enforce this sub-rule within a period of 3 years from the commencement of the Indian Electricity (Amendment) Rules, 1990.

(7) In rule 51, in sub-rule (3), after the words "the Inspector", the words "or any officer of a special ran and class appointed to assist the Inspector" shall be inserted.

(8) In rule 59, in sub-rule (3), after the words "The supplier shall send to the Inspector", the words "or any officer of a specified rank and class appointed to assist the Inspector" and after the words "notice of failure of supply of such kind as the Inspector" the words "or any officer of a specified rank and class appointed to assist the Inspector" shall be inserted.

(9) In Chapter VIII, in the heading for the words "Overhead lines", the words "OVER HEAD LINES, UNDER GROUND CABLES AND GENERATING STATIONS" shall be substituted.

(10) In rule 87, in sub-rule (3), for the existing table the following table shall be substituted :

"Minimum clearances in metres between lines when crossing each other :

Nominal System Voltage	11-66 KV	110-132 kV	220 kV	400 kV	800 kV
1. Low & Medium	2.44	3.05	4.58	5.49	7.94
2. 11-66 kV	2.44	3.05	4.58	5.49	7.94
3. 110-132 kV	3.05	3.05	4.58	4.49	7.94
4. 220 kV	4.58	4.58	4.58	5.49	7.94
5. 400 kV	5.49	5.49	5.49	5.49	7.94
6. 800 kV	7.94	7.94	7.94	7.94	7.94

(11) In rule 92, sub-rule (1), after the words "overhead line", the words "Sub-station or Generating Station" shall be inserted.

(12) In rule 123, sub-rule (3) for the words "Switch" and "entirely" the words "circuit breaker" and "automatically" shall be substituted.

(13) In rule 126,—

(a) in sub-rule (1) in clause (d), in sub-rule (2) in clause (a) and in sub-rule (3) in clause (a), for the words "signalling or telecommunication" the words "signalling, telecommunication and remote control" shall be substituted ;

(b) in sub-rule (5), in clause (i) :

(i) for the words "a danger" the words "any hazardous" shall be substituted ;

(ii) after the words "exceed one and one quarter", the words "per cent" shall be added ;

(iii) after the existing sub-clause the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided that such disconnection shall not apply to intrinsically safe environmental monitoring scientific instruments ;"

(c) in sub-rule (6),

(i) for the words "danger areas" and "dangerous atmosphere", wherever these occur the words "hazardous areas" and "hazardous atmosphere" shall be substituted ;

(ii) after the existing clause (d), the following clause shall be inserted, namely :—

"(e) All appliances, equipments and machinery that are or may be used in Zone 0, Zone 1 and Zone 2 hazardous areas shall be of such type, standard and make as approved by the Inspector by a general or special order in writing.

Explanation :

(i) "Zone 0 hazardous area" means "an area in which hazardous atmosphere is continuously present".

(ii) "Zone 1 hazardous area" means "an area in which hazardous atmosphere is likely to occur under normal operating conditions".

(iii) "Zone 2 hazardous area" means "an area in which hazardous atmosphere is likely to occur only under abnormal operating conditions".

(14) In rule 134 for the words and figures "118 proviso (a), (c) and (e)" and "123(9)" the words and figures "118" and "123(9) and 130" shall respectively be substituted.

(15) In sub-rule (2) and (3) of rule 29, sub-rule (1)(i)(b) and (1) (ii) of rule 48, sub-rule (2), (3), (5) and (7) of rule 65 and clause (b)(ii) of rule 122 and the words "Indian Standards Institution" shall be substituted with the words "Bureau of Indian Standards".

(16) In Annexure VIII, in serial number 5, for item No. (7) the following item shall be substituted, namely :—

"(7) The wiring work has been/will be carried by :

Name of Contractor :

Address :

Licence No.:

Class :

Validity :

(17) In Annexure X, in Part A, below the words "Name of Engineer" the words "Name of Electrical Supervisor" shall be inserted.

(18) In annexure VI in Part A below the words, "Name of Engineer" the words "Name of Electrical Supervisor" shall be inserted.

(19) In Annexure XII, in serial No. (2),

(a) for item (d) the following item shall be substituted, namely :—

"(d) Disconnection and reconnection of supply as required by rule 126(5)(i) and (ii);"

(b) for the words:

"Electrician  
Manager" the words  
"Electrical Supervisor :  
Engineer :  
Manager :"

shall be substituted.

[No. CEB/PP-29/91]

R. K. SHARMA, Secy. (CEB)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1991

सा. का. नि. 105.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और श्रीमती सुचेता कृपालानी अस्पताल (समूह "ग" पद) भर्ती नियम, 1987 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और श्रीमती सुचेता कृपालानी अस्पताल (समूह "ग" पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1991 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और श्रीमती सुचेता कृपालानी अस्पताल, समूह "ग" पद भर्ती नियम, 1987 की अनुसूची में, स्तम्भ-3 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात्:—

"साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ग", अराज्यप्रतिष्ठित, अननुसूचित।"  
[संख्या ए-11018/43/89 आर आर (एम ई.

यू. जी. डैस्क)]

लाल सिंह, डैस्क अधिकारी,

पाठ टिप्पणी:—मूल भर्ती नियम दिनांक 8-9-1987 की सा. का. नि. संख्या 907 के तहत प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 1st February, 1991

G.S.R. 105.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Lady Hardinge

Medical College and Smt. Sucheta Kripalani Hospital (Group 'C' post) Recruitment Rules, 1987, namely —

1. (1) These rules may be called the Lady Hardinge Medical College and Smt. Sucheta Kripalani Hospital (Group 'C' post) Recruitment (Amendment) Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Lady Hardinge Medical College and Smt. Sucheta Kripalani Hospital (Group 'C' post) Recruitment Rules, 1987, in column 3, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"General Central Service, Group 'C' Non-Gazetted, Non-Ministerial."

[No. A-11018/43/89-R.R. (ME-UG Desk)]

LAL SINGH, Desk Officer

FOOT NOTE.—The Principal recruitment rules were published vide G.S.R. No. 907 dated 8th September, 1987.

असम मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

गुडिपत्र

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1991

सा. का. नि. 106.—भारत के राजपत्र भाग-II खंड-3, उपखंड (i) तारीख 12 मई, 1990 के पृष्ठ संख्यांक 1003 से 1007 पर प्रकाशित बनस्पति तेल श्रेणीकरण एवं बिम्बुकाकन (संशोधन) नियम, 1990 भारत सरकार के कृषि मंत्रालय, ग्रामीण विकास विभाग की तारीख 4 अप्रैल, 1990 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 289 में:—

(1) पृष्ठ 1005 पर, नियम 3 में, उपवाक्य (क) में पाचवीं पंक्ति में "माउबा" के स्थान पर "मउबे" पढ़ें;

(2) पृष्ठ 1006 पर, अनुसूची 9 में:—

(i) स्तम्भ 7 में शीर्षक "सपोनीफिकेशन मान" के स्थान पर "सैतनी फिकेशन मान" पढ़ें;

(ii) स्तम्भ 9 में श्रेणी अधिधान "मेडिसिनल" के सामने "142" के स्थान पर "143" पढ़ें;

(iii) स्तम्भ 10 में शीर्षक "सपोनीफिकेशन मैटर" (परसेंट मैक्सीमम) के स्थान पर "अनसेपोनीफिकेशन मैटर" (परसेंट मैक्सीमम) पढ़ें;

(vi) स्तम्भ 10 में श्रेणी अधिधान "मेडिसिनल" के सामने "0.0" के स्थान पर "0.8" पढ़ें;

[सं. एक. 10-2/88 एम-II]

सरला गोपालन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Rural Development)

CORRIGENDA

New Delhi, the 18th January, 1991

G.S.R. 106.—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Agriculture, Department of Rural Development, number G.S.R. 289 dated the 4th April 1990, published at page numbers 1003 to 1007 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (i), dated the 12th May,

1990, in the Vegetable Oils Grading and Marking (Amendment) Rules, 1990,—

- (1) at page 1005, in rule 3, in clause (a), in line 5, for "Mauva", read "Mauve";
- (2) at page 1006, in Schedule IX,—
  - (i) in column 7, for the heading "Sponification value", read "saponification value";
  - (ii) in column 9, against the grade designation "Medicinal" for "142", read "143";
  - (iii) in column 10, for the heading "Saponifiable matter (Percent Maximum)", read "Unsaponifiable matter (Percent Maximum)";
  - (iv) in column 10, against the grade designation "Medicinal" for "0.0", read "0.8".

(No. F. 10-2/88.M.I)

SARALA GOPALAN, Jt. Secy.

### जल भूतल परिलहन मंत्रालय

(नौवहन महानिदेशालय)

मुद्रित

बम्बई, 5 नवम्बर, 1990

सा.का. नि. 107.—भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उपखंड खंड (i) दिनांक 14 अप्रैल, 1990 में प्रकाशित, भारत सरकार, नौवहन महानिदेशालय की अधिसूचना, सा. का. नि. सं. 226 दिनांक 12 मार्च, 1990 लाल बहादुर शास्त्री नाटिकल एवं इंजीनियरिंग कालेज (समूह "न" एवं "घ" पदों पर) भर्ती (संशोधित) नियम, 1990 में:—

उक्त नियमों की अनुसूची में:—

- (1) क्रमांक 26 के सामने वरिष्ठ तकनीकी सहायक के पद संबंधी स्तंभ 12 की पांचवीं पंक्ति में "र 1600-2609" के लिए र. 1600-2660 पढ़ा जाए। (केवल हिन्दी पाठ में); और चौदहवीं पंक्ति में "रेकोनोटेड" के लिए 'रेकग्नाइज्ड' पढ़ा जाए। (केवल अंग्रेजी पाठ में)
- (2) क्रमांक 27 के सामने मैकेनिक कम चालक के पद संबंधी स्तंभ —12 की पांचवीं पंक्ति में "टैक्निकल" से पहले "कालेज के चालक और क्लीनर" जोड़ दिया जाए। (केवल अंग्रेजी पाठ में)

[फा.सं. 23-टी प्रार (1)/86-भाग-III]

एन. के. प्रसाद, नौवहन उप महानिदेशक

### MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Directorate General of Shipping)

#### CORRIGENDUM

Bombay, the 5th November, 1990

G.S.R. 107.—In the Lal Bahadur Shastri Nautical and Engineering College (Group 'C' & 'D' posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1990, published with notification, of the Government of India, Directorate General of Shipping G.S.R. No. 226, dated the 12th March, 1990, in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-Section (i) dated the 14-4-1990.

In the Schedule to the said rules:—

- (1) against Sr. No. 26, relating to the post of Senior 'Technical Assistant' in column 12, in line 5 for 'Rs. 1600-2609' read as 'Rs. 1600-2660'.

(In Hindi Version Only); and

in line 14 for 'recognited' read as 'recognised' (In English Version Only).

- (2) against Sr. No. 27, relating to the post of Mechanic cum Driver, in column 12, in line 5, add the words 'Driver and Cleaner of College' before the word 'Vehicles'.

(File No. 23-TR(1)/86-Vol. III)

N. K. PRASAD, Dy. Director General of Shipping

रेल मंत्रालय

(रेलवे बतई)

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1991

सा. का. नि. 108.—दिनांक 27-6-1980 की अधिसूचना सं 79 ई (जी प्रार) 1/31/4 में प्रासंगिक आशोधन करते हुए राष्ट्रपति जी भा.रे. बि. इंजी से के अधिकारी श्री ए.पी. नागरथ की भारतीय कार्मिक सेवा में मूल रूप से नियुक्ति का सर्वप्रथम आशोधन करते हैं श्री ए. पी. नागरथ श्री एम. के. श्री वास्तवा से नीचे तथा श्री ए. प्रार. वावातिराहा से ऊपर स्थान पर रहेंगे जैसा अपरिनिमित्त पत्र में अधिसूचित किया गया था

[सं./81 ई (जी प्रार)/1/31/2/(पार्ट)]

पी.पी. शर्मा, उपनिदेशक स्था एत

### MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 1st January, 1991

G.S.R. 108.—In partial modification of Notification No. 79/E(GR)I/31/4 dated 27-6-1980, the President is pleased to appoint Shri A. P. Nagarath, IRSEE, in the initial constitution of India Railway Personnel Service. Shri A. P. Nagarath will be placed below Shri N. K. Srivastava and above Shri A. R. Vadathiraha Nathan notified vide above referred letter.

[No. 81/E(GR)I/31/2 (pt.)]

P. P. SHARMA, Dy. Director Estt. (GR)

अस मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1991

सा. का. नि. 109—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ज्ञान सुरक्षा महानिदेशालय (समूह 'ग' और समूह 'घ' पद) भर्ती नियम, 1989 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम ज्ञान सुरक्षा महानिदेशालय (समूह "ग" और समूह "घ" पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1991 है।

2. (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. ज्ञान सुरक्षा महानिदेशालय (समूह "ग" और समूह "घ" पद) भर्ती नियम, 1989 की अनुसूची में सहायकीय सहायक के पद से संबंधित

क्रम संख्यांक 12 के मामले स्तब 7 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

#### प्रावश्यक

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री जिसमें अर्थशास्त्र या सांख्यिकीय या वाणिज्य या गणित एक विषय के रूप में रहा हो या समतुल्य ।

#### वांछनीय

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकीय या अर्थशास्त्र/गणित/वाणिज्य जिसमें सांख्यिकीय एक विषय के रूप में रहा हो में डिग्री या समतुल्य ।”

[फा. सं. ए-2018/8/89/आई.एस.एच]  
आर.टी. पाण्डेय, उप सचिव

नोट : मूल नियम सा. का. नि. सं. 181 तारीख 24-2-1989 द्वारा प्रकाशित किए गए

#### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 6th February, 1991

G.S.R. 109.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President

hereby makes the following rules to amend the Directorate General of Mines Safety (Group 'C' and Group 'D' Posts) Recruitment Rules, 1989, namely :—

1. (1) These rules may be called the Directorate General of Mines Safety (Group 'C' and Group 'D' Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1991.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate General of Mines Safety (Group 'C' and Group 'D' Posts) Recruitment Rules, 1989, against serial number 12 relating to the post of Statistical Assistant for the entry under column 7, the following entry shall be substituted, namely :—

#### “Essential

Degree with Economics or Statistics or Commerce or Mathematics as a subject from a recognised University or equivalent.

#### Desirable

Degree in Statistics or Economics|Mathematics|Commerce (with Statistics as one of the subject of a recognised University or equivalent.”

[F. No. A-12018/8/89-ISH.I]

R. T. PANDEY, Dy. Secy.

Note : Principal rules published vide G.S.R. No 181. dated 24-2-1989.